'the *status quo* of Goa should be continued for a period of ten years; and

(b) if so, the action taken thereon?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): (a) and (b). The question is somewhat vague. No memorandum as such has been received from the representatives of Goa; but suggestions from time to time have also been made about maintenance of *status quo* in Goa for the time being. Government have not yet taken a decision on the future of Goa.

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं

2281 **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री बड़े :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री युद्धवीर सिंह :
श्री गोकर साह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जून 1966 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली क्लर्कों की परीक्षा में उन सभी उम्मीदवारों को जिन्होंने अपने फार्म हिन्दी में भरे हैं और जो हिन्दी के माध्यम से परीक्षा देना चाहते हैं; प्रश्न-पत्र हिन्दी में मिलेंगे ;

(ख) क्लर्कों की परीक्षा के लिये हिन्दी पुस्तकें अब उपलब्ध की जायेंगी ; और

(ग) क्या अंग्रेजी में उपलब्ध 'मास्टर गाइड' की भांति हिन्दी में मास्टर गाइड' बाजार में उपलब्ध की जायेगी और यदि हां, तो कब ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी नहीं ।

(ख) तथा (ग). संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली क्लर्कों के ग्रेड की परीक्षा के लिये कोई पुस्तक विहित नहीं है । व्यक्तियों द्वारा प्रकाशित नोट तथा गाइड बाजार में बिकते हैं परन्तु ऐसे प्रकाशनों से सरकार का कोई संबंध नहीं नहीं है ।

हिन्दी में टेलीफोन निर्देशिकायें

2282. **श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :** क्या संचार मंत्री 6 सितम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1593 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा बिहार के किन किन स्थानों की टेलीफोन निर्देशिकाएं हिन्दी में प्रकाशित की गई हैं तथा कितने स्थानों की टेलीफोन निर्देशिकायें हिन्दी में प्रकाशित करने का निर्णय किया जा चुका है परन्तु वे अभी तक प्रकाशित नहीं हुई हैं ; और

(ख) दिल्ली की टेलीफोन निर्देशिका का हिन्दी संस्करण कब तक उपलब्ध हो जायेगा ?

संसद्-कार्य तथा संचार विभागों में राज्य मंत्री (श्री जगन्नाथ राव): (क) इन सभी राज्यों के तमाम शहरों के लिए अलग-अलग एक ही अंग्रेजी की टेलीफोन निर्देशिका प्रकाशित की जाती है और हिन्दी टेलीफोन निर्देशिकाएं भी जब छापी जाएंगी तो इन सभी राज्यों के सारे शहरों के लिए होंगी।

(ख) इतने बड़े आकार की निदर्शिकाओं का अनुवाद करने तथा उन्हें छापने का काम काफी बड़ा है । फिर भी जल्दी से जल्दी इन निर्देशिकाओं को छापने की दिशा में प्रयत्न किये जा रहे हैं।